COMMON PRE-BOARD EXAMINATION 2022-23

Subject: HINDI – 085

अंक योजना

सामान्य निर्देशः

(1) इस अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्नपत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ।

(4) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

(5) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड-अ

01. अपठित गद्यांश- **1X5=5**

i) ग) यहाँ विविध धर्मों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं

ii) क) गरीबी

iii) ख) परिवर्तनों की गति धीमी है

iv) घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं

v) d) क, ख और घ

02. अपठित गद्यांश- **1X5=5**

i) ख) पाठ्यपुस्तकों का बोझ और परीक्षा का तनाव कम करना

ii) घ) शिक्षाविद् प्रो. यशपाल

iii) b) क और घ

iv) घ) इन सब में

v) क) कथन (A) कारण (R) दोनों सही हैं

03. पदबंधों पर आधारित प्रश्न (पाँच में से किन्हीं चार) 1x4=4

i) ग) क्रिया पदबंध

ii) ग) संज्ञा पदबंध

iii) क) बगीचे में खिले हुए सुंदर

iv) ग) ततााँरा का याचना भरा चेहरा

v) ख) सर्वनाम पदबंध

04. वाक्य भेद पर आधारित प्रश्न (पाँच में से किन्हीं चार) 1X4=4

i) ख) संयुक्त वाक्य

ii) ख) जैसे जैसे काले बादल उमड़ पड़े वैसे वैसे तेज़ वर्षा होने लगी

iii) ग) मिश्र वाक्य

iv) घ) तेज़ बारिश के कारण कोई भी ट्रेन समय पर नहीं पहुँची।

v) घ) बड़े भाई पढ़ाई लिखाई में तेज़ नहीं थे फिर भी उनके मन में भ्रातृस्नेह भरा हुआ था।

05. समास पर आधारित प्रश्न (पाँच में से किन्हीं चार) 1X4=4

i) ग) मृदुभाषी - बहुब्रीहि समास

ii) ख) चिकित्सा के लिए आलय

iii) ख) a और c

iv) क) पुरुषों में उत्तम है जो

v) घ) द्विगु समास

06. मुहावरों पर आधारित प्रश्न (छः में से चार) 1X4=4

i) क) आड़े हाथों लेना

ii) ख) खुशी का ठिकाना न रहना - बहुत अधिक खुश होना

iii) घ) जिगर के टुकड़े-टुकड़े होना

iv) ख) जले पर नमक छिड़कना

v) ग) पापड़ बेलना

vi) घ) बाट जोहना

07. पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नः **1X5=5**

i) क) देश के लिए बलिदान होने का अवसर

ii) ख) देश के लिए जान देने के लिए तैयार न होना

iii) ग) मातृभूमि के

iv) घ) धरती की मान-मर्यादा के लिए मर-मिटने की

v) ग) बलिदान का

08. काव्यखंड से बहुविकल्पी प्रश्नः **1X2=2**

i) ख) वे हमारे पूर्वजों की उपलब्धियों और गलतियों की याद दिलाती हैं

ii) घ) किसी महान व्यक्ति के हृदय से निकलनेवाली उच्च आकांक्षाओं से

09. गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नः **1X5=5**

i) ग) व्यावहारिक बातों को ही आदर्शों के रूप में लोगों के सामने रखते थे

ii) क) गांधीजी के आदर्श ही समाज के सामने आए

iii) घ) केवल अपने लाभ-हानि की चिंता करते हैं

iv) c) ख और ग

v) क) कथन (A) सही है कारण (R) गलत है

10. गद्यखंड से बहुविकल्पी प्रश्नः **1X2=2**

i) घ) उन्होंने अनजाने में कबूतरों का एक अंडा तोड़ दिया था

ii) ख) वर्तमान शिक्षा प्रणाली

खण्ड - ब (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. गद्य भाग पर आधारित <u>तीन में से किन्हीं दो</u> प्रश्नों के उत्तर- **3X2=6**

क) रूढियाँ सचमुच मनुष्य को स्वतंत्र रूप से जीने नहीं देतीं। वे बेड़ियाँ बनकर न आगे बढ़ने देती हैं न ही स्वतंत्र रूप से जीने देती हैं। तताँरा और वामीरो एक दूसरे से प्रेम करते थे। गाँव का नियम था कि वैवाहिक संबंध के लिए दोनों को एक ही गाँव का होना चाहिए। रूढ़ि ही थी जो उनके प्रेम में बाधक बन गई। रूढ़ि के कारण ही उन्हें जान गँवानी पड़ी। ऐसी रूढ़ियों को बदलना आवश्यक ही नहीं अनिवार्य भी है। ऐसी रूढ़ियों को बदलने के लिए सबसे पहले हमें अपनी सोच बदलनी होगी। जो रूढ़ियाँ समय और और समाज के लिए उपयुक्त नहीं उन्हें फेंक देना होगा।

ख) 26 जनवरी 1931 के दिन कोलकाता में अंग्रेज़ी शासन के खिलाफ़ चलाए गए आंदोलन में स्त्री समाज की भूमिका महत्त्वपूर्ण थी। इस आंदोलन में स्त्रियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया था। स्त्रियाँ अपनी ओर से जुलूस बनाकर मानूमेंट की ओर चल पड़ीं। जब सुभाष बाबू को गिरफ़तार किया गया था तब स्त्रियों ने स्वयं मानूमेंट पर चढ़कर झंडा फहराया और घोषणा पढ़ने लगीं। विमल प्रतिभा के नेतृत्व में लालबाज़ार की ओर चल पड़ीं। इस आंदोलन में स्त्रियों ने पुलिस की लाठियाँ भी खाईं। इस दिन कुल मिलाकर 105 स्त्रियाँ गिरफ़तार होकर जेल गईं।

ग) वज़ीर अली सचमुच एक जाँबाज़ सिपाही था। वह हिम्मती और दिलेर आदमी था। जब उससे अवध की नवाबी छीनी गई तब उसने अंग्रेज़ों का जमकर विरोध किया। गवर्नर जनरल से बुलाए जाने पर भी उसने साफ़ मना कर दिया। वकील का कत्ल करने के बाद गोरखपुर के जंगलों में भटकता रहा। वह निड़र होकर कर्नल कालिंज के खेमे में घुस गया जो उसे पकड़ने के लिए पूरी फौज के साथ तैयार बैठा था। यह तो ऐसा था जैसे शेर के मुँह में हाथ डालना। उसने कर्नल से ही कारतूस हासिल किए और उसे मारने की भी धमकी दी थी। इन घटनाओं से पता चलता है कि वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था।

12. पद्य भाग पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर- 3X2=6

क) इस पंक्ति के द्वारा कवि ने विश्व बंधुत्व की भावना पर बल दिया है। उनका कहना है कि मनुष्य देश, प्रांत, धर्म, जाति आदि संकीर्णताओं को भूलकर संसार के सभी लोगों को अपना भाई-बंधु मान ले तथा मानव-मात्र की सेवा करे। जब हम अपने आपसी भेदभावों को भूलकर समस्त मानव जाति को अपना मान ले तथा उनका दुख दर्द दूर करने का प्रयास करें तभी संसार में मानवता का विकास होगा।

ख) कवि इस गीत में भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं कि वे उसे मुसीबतों से न बचाएँ परंतु उसे इतनी शक्ति दें कि वह अपनी मुसीबतों का सामना स्वयं कर सकें। कवि यह भी प्रार्थना कर रहे हैं कि जब इस संसार में कोई साथी न मिले तब उसके बल और पौरुष ही उसके साथी बनें। कवि चाहता है कि भगवान उसका भार कम करके सांत्वना न दें परंतु इतनी शक्ति दे कि वह अपना भार स्वयं उठा सके।

ग) बारिश होते ही संपूर्ण पहाड़ी दृश्य बदल जाता है। विशाल पर्वत आँखों से ओझल हो जाता है। पहाड़ी झरनों की आवाज़ मात्र सुनाई देती है। इन सारे परिवर्तनों को देखकर ऐसा लगता है जैसे इंद्र देवता अपना इंद्रजाल दिखा रहे हैं।

13. सहपाठ पर आधारित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर- 3X2=6

क) 'हरिहर काका पाठ धन की लोलुपता तथा लोगों के स्वार्थ पर प्रकाश डालता है। आज की मतलबी दुनिया में रिश्ते-नाते का कोई मतलब नहीं। सुख-दुख में साथ देने वाले रिश्ते ही होते हैं परंतु आजकल लोग इतने स्वार्थी हो गए हैं कि अपने स्वार्थ-सिद्धि के लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाते हैं। धन के लालच में पड़कर एक-दूसरे की जान के पीछे पड़ जाते हैं। 'हरिहर काका' पाठ में भी यही देखने को मिलता है। हरिहर काका के तीनों भाई खून के रिश्ते के कारण उनका सम्मान नहीं करते बल्कि ज़मीन हड़पने के लिए अपने ही भाई को जान से मारने की धमकी देते हैं। सचमुच इस मतलबी दुनिया में न भाई है न बंधु।

ख) सचमुच बच्चों का मन बहुत कोमल होता है । वे प्यार व प्रोत्साहन के भूखे रहते हैं। मार-पीट एवं कठोर व्यवहार से उनका बालमन कुंठित हो जाता है। पी.टी. प्रीतमचंद चौथी कक्षा के बच्चों को फ़ारसी का शब्द रूप याद करने को दिया। जब बच्चे वह नहीं कर पाए तो उन्होंने बच्चों को मुर्गा बनने की कड़ी सज़ा दी। उनके इस व्यवहार से बच्चों के मन में एक डर-सा समा गया था। फ़ारसी की घंटी बजते ही उनका दिल धक-धक करने लगता था। जब तक हेड़मास्टर या अन्य अध्यपक पढ़ाने न आते तब तक वे भयभीत ही रहते।

ग) 'भूख न देखती दाल-भात, प्यार न देखता जात-पात' - टोपी और इफ़्फन की दादी का रिश्ता इस कथन को शत-प्रतिशत सार्थक बनाता है। दादी कट्टर मुसलमान थी। टोपी कट्टर हिंदू। एक बहत्तर साल की थी और दूसरा आठ साल का। उन दोनों के रिश्ते में न धर्म ने कोई बाधा पहुँचाई न उम्र ने। दोनों एक अटूट रिश्ते से बंधे थे। दोनों अपने-अपने घरों में अधूरे थे। दोनों प्यार के प्यासे थे। दोनों ने एक दूसरे की प्यास बुझा दी।

14. किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद- 5x1=5

विषयवस्तु - 3 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुती - 1 अंक

15. किसी एक विषय पर पत्र- **5x1=5**

आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

भाषा - 1 अंक

प्रस्तुती - 1 अंक

16. किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना- **4x1=4**

विषयवस्तु - 2 अंक

प्रस्तुती - 1 अंक

भाषा - 1 अंक

17. किसी एक विषय पर विज्ञापन- **3x1=3**

विषयवस्तु - 1 अंक

प्रस्तुती - 1 अंक

भाषा - 1 अंक

18. लघुकथा अथवा ईमेल लगभग 100 शब्दों में- **5x1=5**

औपचारिकताएँ - 1 अंक

विषयवस्तु - 2 अंक

प्रस्तुती - 1 अंक

भाषा - 1 अंक